Baba’s Praise

12/3/2015

- रूहानी बाप बैठ रूहानी बच्चों को समझाते हैं।

- गुरू वह जो सद्गति दे, दु:ख की दुनिया से शान्तिधाम ले जाये।

- कहते भी हैं वह लिबरेटर है, गाइड है परन्तु इसका भी अर्थ नहीं समझते।

- बाबा कल्प-कल्प आप ही आकर भ्रष्टाचारी पतित से श्रेष्ठाचारी पावन बनाते हो। अब बाप आकर मनुष्य से देवता बनाते हैं।

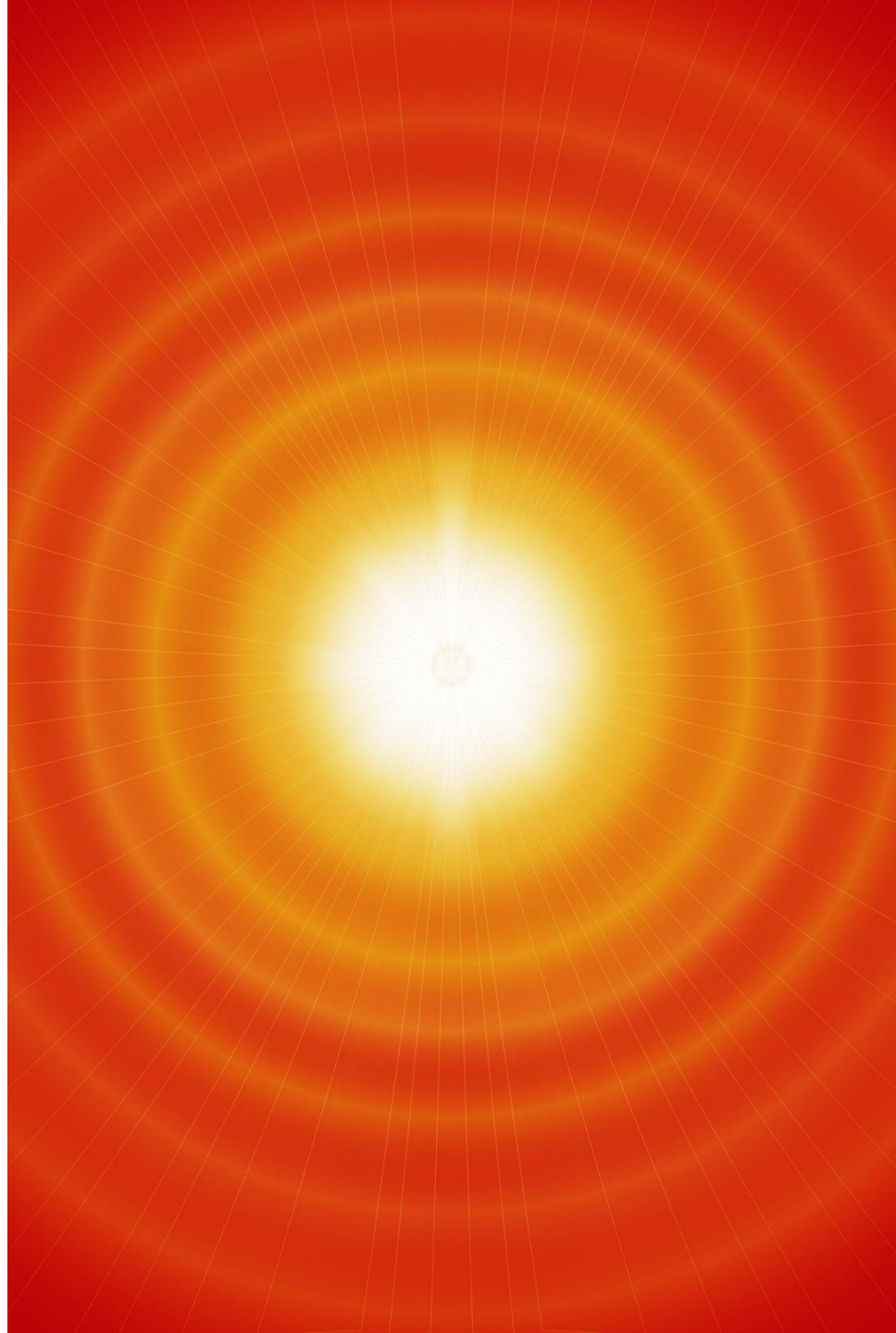

- साधू-सन्त आदि भी गाते हैं पतित-पावन..... पतित-पावन बाप को बुलाते हैं। तुम जानते हो अभी पतित-पावन बाप आया हुआ है। हमें रास्ता बता रहे हैं।

- तुम सब आशिक हो मुझ माशुक के। वह आशिक-माशूक तो एक जन्म के लिए होते हैं, तुम जन्म-जन्मान्तर के आशिक हो।

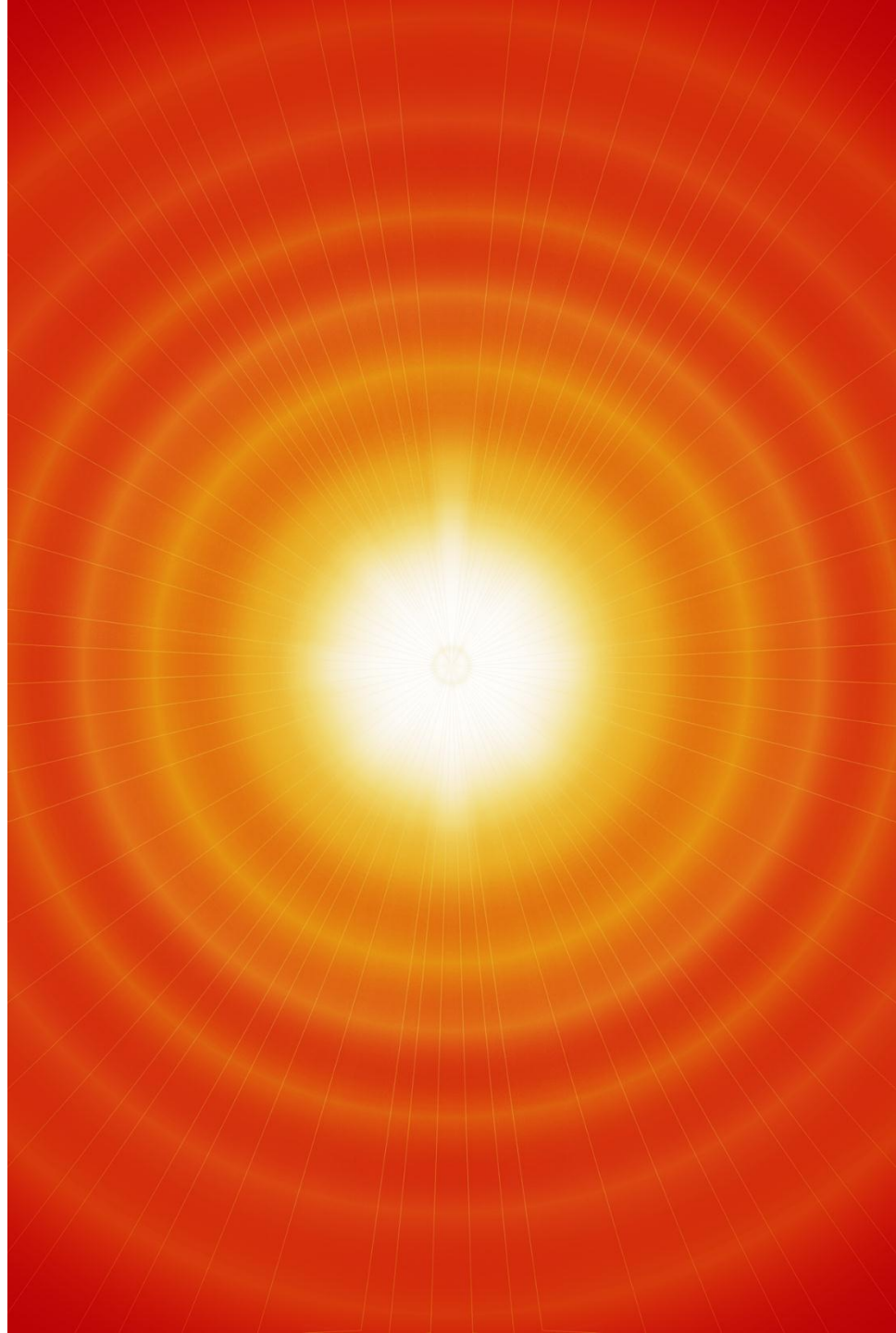

- याद करते आये हो हे प्रभू। देने वाला तो एक ही बाप है ना। बच्चे सब बाप से ही मागेंगे। आत्मा जब दु:खी होती है तो बाप को याद करती है। सुख में कोई याद नहीं करते, दु:ख में याद करते हैं-बाबा आकर सद्गति दो।

- ऊपर में है शिव परमात्मा फिर देवतायें, उनको मिला कैसे सकते।

- बाप ही नॉलेजफुल, पतित-पावन है। आदि-मध्य-अन्त की नॉलेज सुना रहे हैं।

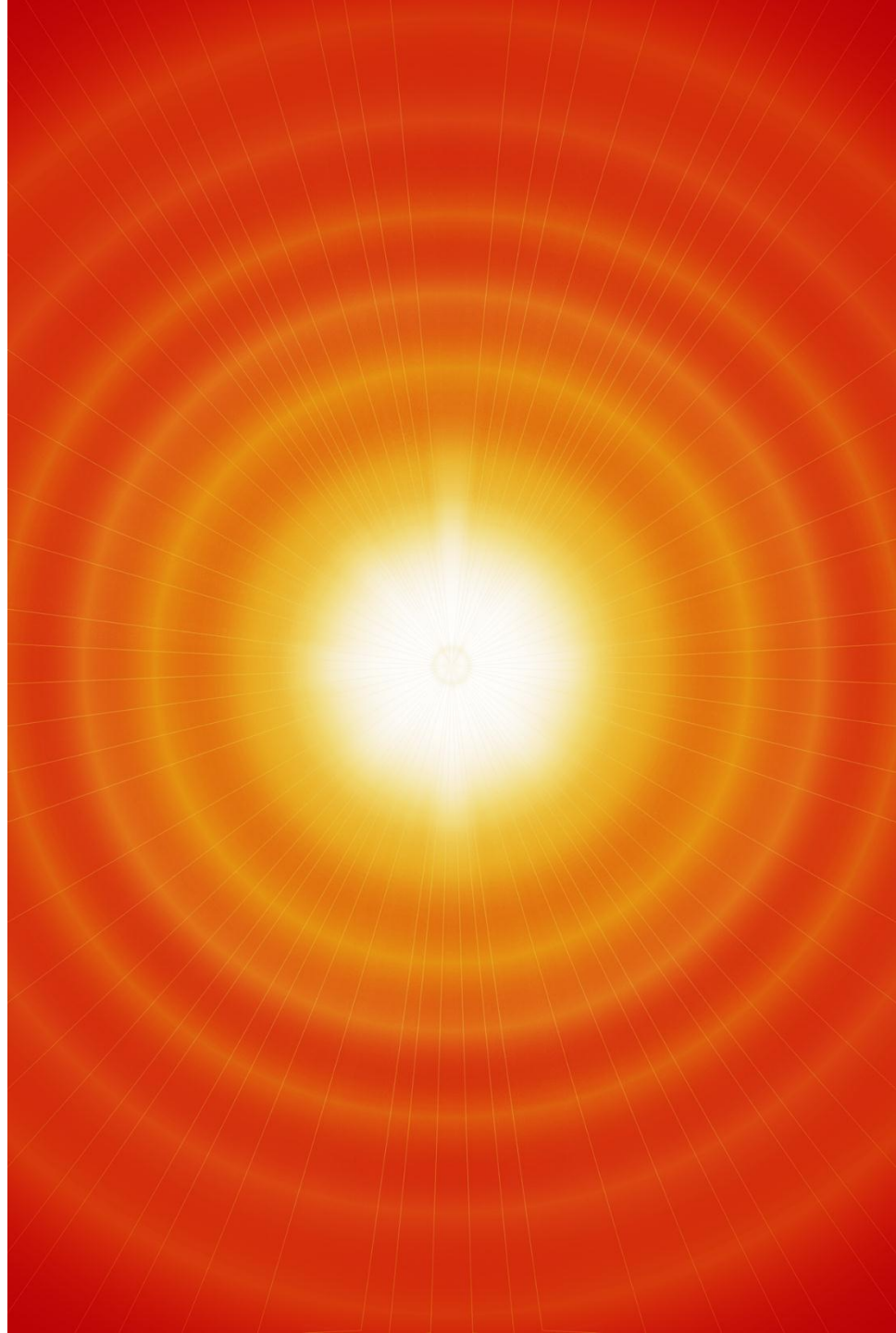

- जो सार्विसएबुल बच्चे हैं उन्हों की बुद्धि में रहेगा यह स्प्रीचुअल नॉलेज स्प्रीचुअल फादर देते हैं। स्प्रीचुअल फादर कहा जाता है आत्माओं के बाप को। वही सद्गति दाता है। सुख-शान्ति का वर्सा देते हैं।

- मुख्य बात ही है पतित से पावन बनने लिए बुद्धियोग लगाना है।

- करनकरावनहार की स्मृति से भान और अभिमान को समाप्त करो